Civil Services (Main)
Examination- 2025

SLPM-B-PHL

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन घंटे**
*Time Allowed : **Three Hours***

अधिकतम अंक : **250**
*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

Civil Services (Main)
Examination - 2025

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) "भ्रष्ट आचरण विशेष तथा सार्वभौमिक नियामक आदर्शमूलक मानकों के बीच एक अंतर्स्थित विरोध को उजागर करता है।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर के लिए तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

"Corrupt practices reveal an inherent tension between particularistic and universalistic normative standards." Do you agree with this statement ? Give reasons and justification for your answer. *10*

(b) सामाजिक निर्मिति के रूप में लिंग (जेन्डर) व्यक्तियों के अवसरों, अधिकारों, तथा संसाधनों तक उनकी पहुँच को किस प्रकार प्रभावित करता है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does gender as a social construct affect individuals' opportunities, rights, and access to resources ? Critically discuss. *10*

(c) क्या धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा अनिवार्य रूप से धार्मिक बहुलवाद की अवधारणा से जुड़ी हुई है ? विवेचना कीजिए।

Is the idea of secularism necessarily related to the idea of religious pluralism ? Discuss. *10*

(d) प्लेटो की प्रजातंत्र की समीक्षा पर टिप्पणी कीजिए।

Comment on Plato's critique of Democracy. *10*

(e) जे.एस. मिल के अनुसार समानता की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

Discuss the salient features of equality according to J.S. Mill. *10*

Q2. (a) जातिगत भेदभाव के विषय पर गाँधी तथा अम्बेडकर के बीच बहस का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Present a detailed account of the debate between Gandhi and Ambedkar on the issue of caste discrimination. *20*

(b) राजनीतिक विचारधारा के रूप में मार्क्सवाद का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate Marxism as a Political Ideology. *15*

(c) कौटिल्य के संप्रभुता के सिद्धान्त के आलोक में इस कथन की विवेचना कीजिए कि 'कोई भी स्थायी मित्र अथवा स्थायी शत्रु नहीं होता है।'

'There is no permanent friend or permanent enemy.' Discuss this statement in the light of Kautilya's view on Sovereignty. *15*

Q3. (a) क्या किसी के जीवन का अधिकार निरपेक्ष हो सकता है ? मृत्युदण्ड की अवधारणा के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

Can one's right to life be absolute ? Answer with reference to the idea of Capital Punishment. *20*

(b) टैगोर के मानववाद में विरोधों का समन्वय कैसे होता है ? मूल्यांकन कीजिए।

How does the reconciliation of opposites take place in the Humanism of Tagore ? Evaluate. *15*

(c) क्या सामाजिक तथा आर्थिक प्रगति लाने के लिए विकास की अवधारणा का जनजातीय मूल्यों के साथ समन्वय करना सम्भव है ? विवेचन कीजिए।

Is it possible to reconcile the concept of development with tribal values to bring social and economic progress ? Discuss. *15*

Q4. (a) सामाजिक एवं राजनीतिक आदर्शों के रूप में कैसे समानता और स्वतंत्रता दोनों न्याय के अभाव में अपर्याप्त हैं ? विवेचन कीजिए।

How are both equality and liberty inadequate as social and political ideals without justice ? Discuss. *20*

(b) क्या शासन के वैध रूप में धर्मतन्त्र को स्वीकार किया जा सकता है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

Can Theocracy be accepted as a valid form of Government ? Give reasons and justification in support of your answer. *15*

(c) "कर्तव्य दायित्व के स्वरूप के होते हैं जबकि अधिकार पात्रता के स्वरूप के होते हैं। अतएव इन दोनों के बीच कोई अनिवार्य सम्बन्ध नहीं होता।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

"Duties are of the nature of obligation while Rights are of the nature of entitlement. Therefore there is no necessary connection between the two." Do you agree with this statement ? Give reasons and justification for your answer. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) अतीन्द्रिय सत्ताओं के अस्तित्व में विश्वास के विषय में चार्वाक की समीक्षा का विवेचन कीजिए।

Discuss Cārvāka's critique of the belief in the existence of suprasensible entities. *10*

(b) क्या धार्मिक भाषा प्रतीकात्मक है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

Is religious language symbolic ? Give reasons and justification in support of your answer. *10*

(c) नीत्शे की धर्म तथा नैतिकता की आलोचना का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Present an account of Nietzsche's criticism of religion and morality. *10*

(d) अद्वैत वेदान्त के सन्दर्भ में जीवन्मुक्ति के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Discuss the nature of embodied liberation (jīvanmukti) with reference to Advaita Vedānta. *10*

(e) "एक बुद्धिगत स्वीकृति" के रूप में एक्विनास द्वारा प्रदत्त आस्था का विवरण किस प्रकार तर्कबुद्धि तथा आस्था के बीच विरोधाभास को समन्वित करता है ? विवेचना कीजिए।

How does Aquinas' account of Faith as "an intellectual assent" reconcile the juxtaposition between Reason and Faith ? Discuss. *10*

Q6. (a) ईश्वर की सत्ता सिद्ध करने के लिए रचनामूलक (डिज़ाइन) युक्ति का डेविड ह्यूम द्वारा उसकी आलोचना सहित विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Present an account of Design argument to prove the existence of God along with its criticism by David Hume. *20*

(b) अशुभ की समस्या की एक व्याख्या के रूप में सतत् प्रक्रियागत थियोडिसी के मुख्य सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

Explain the main tenets of the Process Theodicy as an explanation of the problem of evil. *15*

(c) इलहाम के प्रतिज्ञप्त्यात्मक (प्रोपोजिशनल) मत के संदर्भ में प्राकृतिक धर्म-विज्ञान एवं रहस्योद्घाटित धर्म-विज्ञान के मध्य भेद स्पष्ट कीजिए।

Distinguish between Natural Theology and Revealed Theology in the context of the Propositional view of Revelation. *15*

Q7. (a) धार्मिक बहुलवाद का वेदान्ती मत विभिन्न आस्थाओं के संघर्षरत सत्य दावों को किस प्रकार सम्बोधित करता है ? स्वामी विवेकानन्द के सार्वभौम धर्म के मत के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

How does the Vedantic view of Religious Pluralism address the conflicting truth claims of different faiths ? Answer with reference to Swami Vivekananda's view of Universal Religion. *20*

(b) न्याय दार्शनिक ईश्वर की सत्ता के लिए क्या प्रमाण प्रस्तुत करते हैं ? विवेचन कीजिए।

What proofs do Nyāya philosophers offer for the existence of God ? Discuss. *15*

(c) क्या आत्मा की अमरता की अवधारणा पुनर्जन्म के लिए एक आवश्यक शर्त है ? भगवद्गीता के सन्दर्भ में विवेचन कीजिए।

Is the concept of immortality of soul a necessary condition for Rebirth ? Discuss with reference to the Bhagavad Gītā. *15*

Q8. (a) 'दी हिन्दू व्यू ऑफ़ लाइफ़' में राधाकृष्णन द्वारा व्याख्यायित धार्मिक अनुभूति के स्वरूप और विषय का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the nature and object of Religious Experience as explained by Radhakrishnan in 'The Hindu View of Life'. *20*

(b) क्या किसी नैतिक अभिकर्ता में कर्तव्यबोध जगाने के लिए नियामक आदर्शमूलक (नॉर्मेटिव) तत्त्वों के लिए ईश्वर को सन्दर्भित करना अनिवार्य है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Is it necessary for the normative principles to bear reference to God in order to produce a feeling of obligation in a moral agent ? Critically discuss. *15*

(c) धार्मिक भाषा के स्वरूप के संदर्भ में अनिर्वचनीयता की अद्वैतिक अवधारणा की विवेचना कीजिए।

Discuss the Advaitic notion of indescribability (anirvachanīyatā) in the context of nature of religious language. *15*